दिनांक 04.09.2015

'वाद-विवाद प्रतियोगिता'
समतामूलक समाज की स्थापना शिक्षा का मूल उद्देश्य

महात्मा गांधी अन्तरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के इलाहाबाद केंद्र में शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में २ सितम्बर २०१५ को केंद्र के सत्यप्रकाश मिश्र सभागार में भारी संख्या में छात्र/छात्राएं जुटे। अवसर था **'सामाजिक न्याय के लिए समान शिक्षा व्यवस्था आवश्यक है''** विषय पर वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन। जिसमें विद्यार्थियों ने सक्रिय सहभागिता की। पक्ष और विपक्ष में अपनी बात तर्कसंगत ढंग से रखते हुए छात्र/छात्राओं का मूल स्वर था कि गैर बराबरी के समाज को बराबरी के समाज मे परिवर्तित करने के लिए समान शिक्षा व्यवस्था की आवश्यकता है। समाज में व्याप्त किसी भी प्रकार के भेदभाव से मुक्ति के लिए विवेकवान और वैज्ञानिक समक्ष रखने वाले नागरिकों की जरुरत है, जो परिवर्तनकामी चेतना से लैस हो।

वाद-विवाद प्रतियोगिता में विषय के पक्ष में बृजेश कुमार, अतुल कुमार मिश्रा, बृजेश यादव, धीरेन्द्र प्रताप सिंह, एवं दीप्ति मिश्रा ने अपने विचार रखे जबकि विषय के विपक्ष में आशुतोष सिंह और शशिलता यादव ने सहभागिता की।

वाद-विवाद प्रतियोगिता में निर्णायक के रूप में इलाबाद केंद के सहायक प्रोफेसर डॉ. अमरेन्द्र कुमार शर्मा एवं डॉ. विधु खरे दास उपस्थित रहे। प्रतियोगिता में सुश्री दीप्ति मिश्रा ने प्रथम स्थान, श्री धीरेन्द्र प्रताप सिंह ने द्वितीय स्थान एवं श्री बृजेश कुमार ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम के अन्त में इलाहाबाद केंद्र के प्रभारी प्रोफेसर संतोष भदौरिया ने विद्यर्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि अध्ययन-अध्यापन के अतिरिक्त केंद्र में आयोजित होने वाली अन्य रचनात्मक गतिविधियों में आपकी भागीदारी आवश्यक है, क्योंकि ऐसे अवसरों पर हम अन्य अनुशासनों के साथ-साथ दूसरों के विचारों से परिचित होते हैं। उन्होंने वाद-विवाद प्रतियोगिता में भाग लेने वाले विद्यर्थियों को विषय की समझ और प्रस्तुतिकरण के सम्बन्ध में कुछ आवश्यक जानकारी भी साझा की। सुश्री सूर्या ई.वी. ने भी अपनी बात रखी।

वाद-विवाद प्रतियोगिता का संचालन डॉ. सपना सिंह ने किया। इस दौरान डॉ. अनुपमा राय, डॉ. सालेहा जर्रीन, श्री आशुतोष श्रीवास्तव सहित तमाम विद्यार्थी उपस्थित रहे।

(संतोष भदौरिया)